Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6470

M.A. (Hindi) 3rd Semester

PRACHIN AVEM MADHYAKALIN HINDI KAVYA

Paper—XI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—क

नोट :— यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है।

उपभाग—I

निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4×6=24

1. एक नार वह दाँत-दँतीली, पतली-दुबली छैल-छबीली।
जब वा तिरियहिं लागे भूख, सूखे रहे चबावे रूख।
जो बताय वाही बलिहारी, खुसरो कहे बरे को आरी।

2. ऐन-मैन है सीप की सूरत, आँखे देखीं कहती हैं।
अन खावे ना पानी पीवे देखे से वह जीती है।।
दौड़-दौड़ जमीं पर दौड़े, आसमान पर उड़ती है।
एक तमाशा हमने देखा हाथ-पाँव नहीं रखती है।।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. माया महा ठगिनी हम जानी।
तिरगुन फाँसि लिए कर डोलै, बोले माधुरी बानी।
केशव के कमला होई बैठी, सिव के भवन भवानी।
पंडा के मूरत होय बैठी, तीरथ हू में पानी।।

4. हाड़ जलैं ज्यूं लाकड़ी, केस जलैं ज्यूं घास।
सब तन जलता देखि करि, भया कबीर उदास।।
मनिषा जनम दुर्लभ है, देह न बारंबार।
तरवर थैं फल झड़ि पड़या, बहुरि न लागै डार।।

5. नागमती कारन कै रोई, का सौवे जौं कन्त बिछोई।
मन चितु हुतें न बिसरैं मोरें। नैन कजल चखु रहै न मोरें।
कहिसि जाति हौं सिंघल दीपा। तेहि सेवाति कहँ नैना सीपा।
जोगी होइ निसरा सो नाहू। तब हुत कहा सँदेस न काहू।
निति पूछौं सब जोगी जंगम। कोई निजु बात न कहै बिहंगम।
चरिउ चक्र उजारि भे संकसि सँदेसा टेकु।
कहौं बिरह दुख आपन बैठि डडँ एकु।।

6. पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सुरूज जड़ाइ लंक दिस तम्पा।
बिरह बाढ़ि भा दारून सीऊ। कंपि कंपि मरौं लेहि हरि जीऊ।
कंत कहाँ, हौं लागौ हियरें। पंथ अपार सूझ नहि नियरे।
सौर सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूड़ी।
चकई निसि बिहुरै दिन मिला। हौं निसि बासर विरह कोकिला।

उपभाग—II

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें। 4×6=24

1. रविदास के कृतित्व पर प्रकाश डालें।
2. रविदास की सामाजिक चेतना को स्पष्ट करें।
3. रविदास की वाणी का वैशिष्ट्य स्पष्ट करें।
4. गोरखनाथ की वाणी के मूल प्रतिपाद्य पर चर्चा करें।
5. नाथ सम्प्रदाय में गोरखनाथ का योगदान रेखांकित करें।
6. गोरखनाथ के जीवनवृत का उल्लेख करें।

भाग-ख

नोट :-निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है :— 16×2=32

1. अमीर खुसरों के काव्य की विशेषताएं बतायें।
2. कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण स्पष्ट करें।
3. पद्मावत के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

CNo-3 11-12-17 (MOR)

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6471

M.A. (Hindi) 3rd Semester

ADHUNIK GADH SAHITYA

Paper—XII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :—निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

प्रथम भाग

(अ)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 4×6=24

(क) नहीं, बेटा, अब तुम अपनी बहू के साथ जैसा मन चाहे रहो। मैंने अपना खा-पहन लिया। अब यहाँ क्या करूँगी। जो थोड़े दिन ज़िन्दगानी के बाकी हैं, भगवान का नाम लूँगी। तुम मुझे हरिद्वार भेज दो।

(ख) पाँच साल का समय कुछ कम तो नहीं होता। लम्बे-लम्बे पाँच साल। पूरे पाँच साल के बाद आज रामसुभग को भौजी की याद आयी है। पाँच साल में उसने एक बार भी कुशल-मंगल का हाल नहीं दिया। एक बार भी नहीं पूछा कि भौजी जीती है कि मर गयी। जब अपना ही नहीं रहा हाल-चाल लेने वाला, तो दूसरा कौन पूछता है किसे ?

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(ग) उस 19 वर्ष की युवती की दयनीयता आज समझ पाती हूँ, जिसके जीवन के सुनहरे स्वप्न गुड़ियों के घरौंदे के समान दुर्दिन की वर्षा में केवल बह ही नहीं गये, वरन् उसे इतना एकाकी छोड़ गये कि उन स्वप्नों की कथा कहना भी संभव न हो सका।

(घ) और तब अपने स्नेह में प्रगल्भ उस बालक के सिर पर हाथ रखकर मैं भावातिरेक से ही निश्चल हो रही। उस तट पर किसी गुरु को किसी शिष्य से कभी ऐसी दक्षिणा मिली होगी, ऐसा मुझे विश्वास नहीं; परंतु उस दक्षिणा के सामने संसार में अब तक सारे आदान-प्रदान फीके जान पड़े।

(ङ) आखिर उसे भी तो कुछ आराम मिलना चाहिए। लेकिन भाग्य में आराम लिखा होता तब तो मिलता। तब देवरों के लिए मरती थी, अब अपने बच्चों के लिए मरती है। वह इतनी सीधी, गमखोर, निर्छल न होती, तो आज सोभा और हीरा जो मूँछों पर ताव देते फिरते हैं, कहीं भीख माँगते होते। आदमी कितना स्वार्थी हो जाता है। जिसके लिए मरो, वही जान का दुश्मन हो जाता है।

(च) मालती बाहर से तितली है, भीतर से मधुमक्खी। उसके जीवन में हँसी ही हँसी नहीं है, केवल गुड़ खाकर कौन जी सकता है ! और जिये भी तो वह कोई सुखी जीवन न होगा। वह हँसती है, इसलिए कि उसे इसके भी दाम मिलते हैं।

(आ)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :— 4×6=24

(क) होरी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) होरी के शोषण का क्या कारण है ?

(ग) 'बादलों के घेरे' कहानी का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(घ) शबरी कहानी के कथ्य का सारांश लिखिए।

(ङ) उपन्यासकार भीष्म साहनी का सामान्य जीवन-परिचय दीजिए।

(च) कहानीकार अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए।

द्वितीय भाग

3. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए :— 16×2=32

(क) हिन्दी उपन्यास में प्रेमचन्द के योगदान पर विचार कीजिए।

(ख) 'यही सच है' कहानी में चित्रित अंतर्द्वन्द्व को रेखाकिंत कीजिए।

(ग) रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'अलोपी' का मूल्यांकन कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6472

M.A. Hindi 3rd Semester

BHASHA VIGYAN

Paper—XIII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

प्रथम भाग

(क) किन्हीं **आठ** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए :— 8×6=48

1. भाषा की विभिन्न इकाइयों का परिचय दीजिए।
2. भाषा विज्ञान के अध्ययन की ऐतिहासिक दिशा को स्पष्ट कीजिए।
3. आधुनिक भाषा विज्ञान की प्रमुख प्रवृतियां लिखिए।
4. भाषा का प्रकृति स्पष्ट करें।
5. ध्वनि परिवर्तन के कारण बताएं।
6. ध्वनि के वर्गीकरण कीजिए।
7. वाक्य के भेद बताएं।
8. रूप परिवर्तन के कारण बताएं।
9. अर्थ परिवर्तन के कारण बताएं।
10. रूप की अवधारणा स्पष्ट करें।
11. संबंधदर्शी रूपिम को स्पष्ट करें।
12. समाज भाषा विज्ञान का महत्व बताएं।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

द्वितीय भाग

(ख) किन्हीं **दो** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए :— 16×2=32

1. भाषा के विविध रूपों को उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए।
2. ध्वनि परिवर्तन की विविध दिशाओं पर चर्चा कीजिए।
3. वाक्य के निकटस्थ अवयवों का विश्लेषण कीजिए।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख घटकों का विश्लेषण कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6473

M.A. (Hindi) 3rd Semester

PATTARKARITA PARIKASHAN

Paper—XIV

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

(क) प्रथम भाग

नोट :— किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है :

1. पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारों का परिचय प्रस्तुत करें।
2. समाचार पत्रकारिता के तत्वों के संदर्भ में समाचार संकलन की विधियों पर प्रकाश डालें।
3. समाचार के विभिन्न स्रोतों का संक्षिप्त परिचय दें।
4. संवाददाता की कार्य पद्धति को स्पष्ट करें।
5. इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता में मल्टी मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालें।
6. पत्रकारिता के संदर्भ में 'फीचर' की अवधारणा को स्पष्ट करें।
7. प्रिंट पत्रकारिता में 'ले आउट' के स्वरूप एवं महत्व को स्पष्ट करें।
8. लोक सम्पर्क की अवधारणा पर प्रकाश डालें।
9. वर्तमान संदर्भ में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका को स्पष्ट करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

10. विज्ञान पत्रकारिता के स्वरूप को स्पष्ट करें।

11. इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता में 'केबल' की भूमिका को स्पष्ट करें।

12. 'प्रसार भारती' की अवधारणा को स्पष्ट करें। 8×6=48

(ख) द्वितीय भाग

नोट :— किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है :—

13. पत्रकारिता का अर्थ स्पष्ट करते हुए हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास का विस्तार से परिचय दें।

14. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभ योजना का वर्णन करें।

15. मुक्त प्रेस की अवधारणा का विवेचन विस्तारपूर्वक करें।

2×16=32

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6475

M.A. Hindi 3rd Semester

HINDI KAHANI

Paper—XV (ii)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग—एक

नोट :— यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—क

निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4×6=24

1. उसकी आँखें एक आदमी की आँखों से मिलती हैं जो उसकी ओर जाने कब से देख रहा है, अटकती हैं, हट जाती हैं और फिर मिल जाती हैं। अबकी बार उनमें एक उद्दण्डता-सी है, मानो कह रही हों, तुम नहीं हटाते, तो में ही क्यों हटाऊँ ? मुझे काहे की लज्जा ?

2. और तब एकाएक मैंने जाना कि वह भावना मिथ्या नहीं है, मैंने देखा कि सचमुच उस कुटुम्ब में कोई गहरी भयंकर छाया घर कर गयी है, उनके जीवन के इस पहले ही यौवन मे घुन की तरह लग गयी है, उसका इतना अभिन्न अंग हो गयी है कि वे उसे पहचानते ही नहीं, उसी की परिधि में घिरे हुए चले जा रहे हैं। इतनी ही नहीं, मैंने उस छाया को देख भी लिया......

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. औरत की नज़र यों ही बड़ी पैनी होती है, फिर उस पर यदि सन्देह की सान चढ़ जाए तो आकाश-पाताल चीरने में भी उसे देर नहीं लगती। दूसरे दिन ही वह बन्द दराज़ उसके सामने खुली पड़ी थी, जो विपिन की निहायत निजी और व्यक्तिगत थी। कुछ डायरियां, एक महिला और बच्ची की तस्वीरें, पत्र, कांच की ट्यूब में गोलियां .... और क्रोध, घृणा, दुख मिली-जुली भावनाओं का तूफान उसके मन में उठ रहा था। सिर थामकर घण्टों वहीं बैठी रही थी। फूट-फूट कर रोती रही थी। उसे बराबर लग रहा था कि जिसे धरती समझकर उसने पैर रखा था, वह शून्य था, कि जैसे वह एकाएक बेसहारा हो गई है। उसे अपने घर की छत और दीवारें हिलती नज़र आनी लगी थीं।

4. जहाज छूट गया। दहाड़ मारती लहरों की आवाज़ और आसपास के सारे शोर-शराबे के बीच भी उसे पछाड़ खाते हुए छोटू के रोने की आवाज सुनाई दे रही है। किनारा धीरे-धीरे दूर होता जा रहा है। किनारे की आकृतियां धुंधली होती जा रही हैं, पर उसकी आँखों के सामने चारों प्राणी ज्यों के त्यों खड़े हैं।

5. सात बजते-बजते माँ का दिल धक्-धक् करने लगा। अगर चीफ़ सामने आ गया और उसने कुछ पूछा, तो वह क्या जवाब देंगी। अंग्रेज को तो दूर से ही देखकर वह घबरा उठती थीं, यह तो अमरीकी है। न मालूम क्या पूछे। मैं क्या कहूँगी। माँ का जी चाहा कि चुपचाप पिछवाड़े विधवा सहेली के घर चली जायँ। मगर बेटे के हुक्म को कैसे टाल सकती थीं। चुपचाप कुर्सी पर से टाँगें लटकाये वहीं बैठी रहीं।

6. खिड़की के बाहर आकाश में चाँद निकल आया और चाँदनी में बाहर की दुनिया और भी अनिश्चित, और भी अधिक रहस्यमयी हो उठी। किसी-किसी वक्त दूर किसी ओर आग के शोले उठते नज़र आते कोई नगर जल रहा था। गाड़ी किसी वक़्त चिंघाड़ती हुई आगे बढ़ने लगती, फिर किसी वक़्त उसकी रफ्तार धीमी पड़ जाती और मीलों तक धीमी रफ्तार से ही चलती रहती।

उपभाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4\times6=24$

1. 'शाति हँसी थी' कहानी के कथ्य पर विचार करें।
2. हिन्दी कहानी का स्वरूप स्पष्ट करें।
3. अज्ञेय की कहानियों के शैल्पिक पक्ष की समीक्षा कीजिए।
4. 'अकेली' कहानी के कथ्य पर विचार करें।
5. कहानीकार भीष्म साहनी का सामान्य परिचय दीजिए।
6. भीष्म साहनी द्वारा रचित कहानी 'त्रास' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।

भाग—दो

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $2\times16=32$

1. हिन्दी कहानी को परिभाषित करते हुए इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डालें।
2. भीष्म साहनी की कहानियों के कथ्य और भाषा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।
3. मन्नू भण्डारी की कहानियों के कथ्य पर विचार करें।